



Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges & *Pay Money after the visa

IELTS • STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA

U.K SINGAPORE EUROPE

गुलाबी सूंडी के कारण प्रभावित कृषि मजदूरों को वित्तीय राहत देने की मंजूरी

मुआवजे की कुल राशि की 10 प्रतिशत मिलेगी राहत

चंडीगढ़. नरमा चुगने वाले कृषि मजदूरों को वित्तीय राहत देने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में मंत्रीमंडल ने नरमा की फ़सल पर गुलाबी सूंडी के हमले के कारण प्रभावित हुए नरमा चुगने वाले कृषि मजदूरों के परिवारों को राहत देने के लिए नीति को मंजूरी दे दी है। इस फ़ैसले से प्रभावित किसानों को अदा की जाने वाले कुल मुआवजे की 10 प्रतिशत राशि सूंडी के हमले के कारण प्रभावित हुए नरमा चुगने वाले कृषि मजदूरों के परिवारों को मुहैया करवाई जायेगी।



पोस्ट-मैट्रिक एस.सी. वजीफ़ा स्कीम के मसले सुलझाए

एक अन्य ऐतिहासिक फ़ैसले में मंत्रीमंडल ने पीसी की सीमा निश्चित करने को रद्द कर दिया है जिससे अब अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों को पीसी भी जनरल श्रेणी के विद्यार्थियों के समान होगी। मंत्रीमंडल ने धोखाधड़ी में शामिल डिफाल्टर संस्थाओं के खिलाफ़ कार्यवाही करने का फ़ैसला किया है जिससे इन संस्थाओं के विरुद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने के साथ-साथ ब्लैकलिस्ट भी किया जायेगा।

'आप' विधायक रूबी का कांग्रेस में शामिल होने पर स्वागत

जालंधर ब्रीज. बटिंडा (ग्रामीण) से आम आदमी पार्टी की विधायक रुपिन्दर कौर रूबी आज पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस के पंजाब मामलों के प्रभारी हेरीरा चौधरी, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू, कैबिनेट मंत्री मनप्रीत सिंह बादल, तुषार राजिन्दर सिंह बाजवा, परगट सिंह, अमरिन्दर सिंह राजा वडिंग, विधायक लखबीर सिंह लक्खा, गुप्रीत सिंह जी.पी. और अन्य पार्टी नेताओं व वक्त्रों की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हुईं। चन्नी ने कहा कि यह हम सभी के लिए बहुत गर्व और सम्मान वाली बात है कि विधायक रूबी ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का फ़ैसला लिया।



कोहली की बेटी को रेप की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की 9 महीने की बच्ची को रेप की धमकी देने वाले शख्स को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम रामनागेश अधिबन्धिनी (23) है और वो हैदराबाद का रहने वाला है। बता दें कि आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ़ करारी हार का सामना करना पड़ा था और इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स ने मोहम्मद शमी को धर्म के आधार पर निशाना बनाया था जिसका कप्तान कोहली ने बचाव किया था और इसी के बाद उनकी बेटी को रेप की धमकी दी गई थी।

परिवहन विभाग की रोज़ाना की आमदनी में 1 करोड़ रुपए की वृद्धि

चंडीगढ़. पंजाब के परिवहन मंत्री अमरिन्दर सिंह राजा वडिंग ने आज बताया कि टैक्स चोरों, गैर-कानूनी गतिविधियों और बिना पर्मिट वाले बस ऑपरेटर्स पर नकेल कसने से विभाग की रोज़ाना की आमदनी में 1 करोड़ रुपए से भी अधिक का इज़ाफ़ा होना शुरू हो गया है। यहाँ पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ़्रेंस को संबोधन करते हुए कैबिनेट मंत्री राजा वडिंग ने बताया कि परिवहन विभाग की आमदनी दिनों-दिन बढ़ रही है, जो अब 100.48 लाख रुपए रोज़ाना तक पहुँच चुकी है। विभाग के पिछले दो महीनों की आमदनी का हवाला देते हुए मंत्री ने बताया कि सितम्बर 2021 में पी.आर.टी.सी. की आमदनी 39.01 करोड़ रुपए और पंजाब रोडवेज़ की आमदनी 34.15 करोड़ रुपए थी, जो अक्टूबर महीने के दौरान बढ़कर क्रमवार 54.74 करोड़ और 49.57 करोड़ रुपए हो गई। राजा वडिंग ने बताया कि दोनों संस्थानों की सितम्बर महीने की कुल 73.16 करोड़ की आमदनी के मुकाबले अक्टूबर महीने में 42.57 प्रतिशत (31.15 करोड़ रुपए) के वृद्धि से यह कमाई 104.31 करोड़ रुपए रही। उन्होंने बताया कि दोनों संस्थानों से आज के दिन तक की रोज़ाना की आमदनी 100.48 लाख रुपए हो रही है।

आदमपुर एयरपोर्ट के पास कनाल रोड पर हो सकता है बड़ा हादसा



जालंधर ब्रीज. जालंधर के नहरी विभाग द्वारा कनाल को पक्का करने का काम बिना कोई रोड सुरक्षा उपाय के किया जा रहा है। वहीं आगे सर्दी का मौसम आ रहा है और वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए कनाल के साथ न किसी तरह की फेंसिंग की गयी है और न ही कोई ग्लो-साइन लगाए गए हैं जिससे वाहन चालकों को पता चल सके कि आगे निर्माण कार्य चल रहा है। दूसरी ओर रोड साइड पर फ्रेश बैरियर को गिराकर सड़क का आधा हिस्सा घेर लिया गया है जो कि गंभीर लापरवाही है। प्रशासन को तुरंत इसका संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को सख्त निर्देश जारी किये जाने चाहिए ताकि आने वाले दिनों में इस सड़क पर किसी भी तरह की दुर्घटना को रोका जा सके और बहुमूल्य जानों को बचाया जा सके।

राणा गुरजीत सिंह के मंत्री बनने के बावजूद जालंधर-कपूरथला मार्ग एनएच 703ए की हालत आज भी दयनीय

विभागों के आपसी तालमेल की कमी के कारण नहीं ठीक हो रहे हैं ब्लैक स्पॉट्स



• (1) जालंधर-कपूरथला रोड पर धीमी गति से चल रहा है स्मार्ट सिटी का काम (2) बस्ती बावा खेल नहर के पास ट्रैफिक की समस्या (3) रोड मीडियन के रख-रखाव का कार्य ठीक नहीं (4) राजा गार्डन से लेकर वरियाणा तक सड़क अभी तक 2 लेन हाइवे (5) मीडियन पर लगी पोल पर नहीं लगी है स्ट्रीट लाइट (6) लैडर कम्प्लेक्स के पास पुली पर है ब्लैक स्पॉट (7) हाईवे पर चढ़ने से पहले लिंक रोड्स पर नहीं लगे हैं रम्बल स्ट्रिप और स्पीड ब्रेकर।

जालंधर ब्रीज. विशेष रिपोर्ट

पंजाब का कपूरथला जिला पूरे देश में अलग पहचान रखता है। जिसका मुख्य कारण सुल्तानपुर लोधी में गुरुद्वारा बेर साहिब जी का होना और केंद्र द्वारा स्थापित रेल कोच और दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस वे की एंटी भी इसी रोड से होनी है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा अब तक कपूरथला जिले के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। जिसमें

सरकारी मेडिकल कॉलेज 325 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी में बाबा साहिब डा. भीम राव अंबेडकर जी का म्यूजियम बनाने का ऐलान किया गया है। जिससे आने वाले दिनों में बच्चों को कपूरथला में बनी साइंस सिटी के साथ म्यूजियम में भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद भी जालंधर से कपूरथला को जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 703 ए पिछले कई सालों से पूरी तरह विकसित

नहीं हो पाया है। कपूरथला चॉक से लेकर बस्ती बावा खेल तक स्मार्ट सिटी का काम नगर निगम द्वारा करवाया जा रहा है जो अभी बड़ी ही धीमी गति से चल रहा है और उसके आगे का काम लोक निर्माण विभाग की सेंटर वर्क डिवीज़न द्वारा किया जा रहा है। जिक्रयोग्य है कि पंजाब सरकार द्वारा कपूरथला जिले से विधायक राणा गुरजीत सिंह को फिर से कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। जिससे कपूरथला जाने वाले लोगों को फिर से लगने लगा है कि बस्ती बावा खेल

नहर से वरियाणा तक की सड़क को 4 लेन में तब्दील किया जा सकेगा। क्योंकि इस हाईवे पर ज्यादा आवाजाही होने के कारण दुर्घटनाएं अमूमन होती रहती हैं और कपूरथला चॉक से लेकर कपूरथला सिटी तक पुलिस विभाग की रोड सेफ्टी टीम द्वारा ब्लैक स्पॉट भी चिन्हित किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि साल 2017 में कांग्रेस की सरकार जब सत्ता में आई थी तब राणा गुरजीत सिंह को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था और उनके द्वारा इस हाईवे के निर्माण

के लिए सरकार से बिजली बोर्ड को सड़क के बीच लगे खम्भों को हटवाने के लिए पैसे जारी करवा कर सड़क निर्माण का काम चलवाया गया था। परन्तु पिछले 4.5 सालों से जालंधर-कपूरथला मार्ग एनएच 703 ए पर किसी भी विभाग द्वारा सही ढंग से रख-रखाव का काम नहीं किया गया और न ही नेशनल हाईवे के साथ संपर्क करके ब्लैक स्पॉट दूर करवाने के प्रयास किए गए। हालांकि लोक निर्माण विभाग के एसडीओ मनदीप सिंह द्वारा बताया गया

है कि बस्ती बावा खेल नहर से लेकर वरियाणा तक रख-रखाव के काम के लिए टेंडर लगा दिए गए हैं और कुछ ही समय में इसका काम शुरू हो जाएगा। अब आने वाले दिनों में देखना है कि क्या दोबारा से कैबिनेट मंत्री बने राणा गुरजीत सिंह जालंधर-कपूरथला मार्ग एनएच 703 ए को स्मार्ट सिटी की तर्ज़ पर विभागों के साथ तालमेल करवा कर विकसित करवा पाएंगे और इस हाईवे के बीच बने ब्लैक स्पॉट्स को दुरुस्त करवा कर होने वाली मौतों को रोक पाएंगे।

भुटान दुनिया का एकमात्र कार्बन निगेटिव देश है



भुटान घूमने के लिहाज से काफी अच्छा देश है। ये क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा जरूर है लेकिन यहां के नजारों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। एक बार आपको जरूर यहां घूमना चाहिए।

• जालंधर ब्रीज. स्पेशल स्टोरी

अगर आप किसी दूसरे देश को घूमने की प्लानिंग बना रहे हैं और खूबसूरत नजारों को देखना चाहते हैं तो आपको एक बार भुटान जरूर जाना चाहिए। ये देश छोटा जरूर है लेकिन आप यहां की प्राकृतिक छटा के मुरीद हो जाएंगे। एक से बढ़कर एक नजारों आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे।

केवल कार्बन निगेटिव देश

जलवायु परिवर्तन के साथ दुनिया भर में एक गंभीर रियलिटी, भुटान एक ऐसा

देश है जो उदाहरण के जरिए नेतृत्व कर सकता है। ये दुनिया का एकमात्र कार्बन निगेटिव देश है, जो एक ऐसे दुनिया का निर्माण कर रहा है जो ग्रह को खतरे में डाले बिना सोच-समझकर आगे बढ़ सके। ये प्रोडक्शन की तुलना में ज्यादा CO2 उत्सर्जन को ऑफसेट करता है। ऐसे युग में जहां देशों को कार्बन न्यूट्रल होने के लिए हिलना पड़ता है, भुटान ने निश्चित रूप से भार उठाया है।

सकल धरलू उत्पाद...

लोगों को ये अजीब लग सकता है, लेकिन



भुटान ने अपनी प्राथमिकताओं को निश्चित रूप से ठीक किया है। ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस (GNH) शब्द 1970 में किंग जिग्मे सिंग्ये

वांगचुक के जरिए गढ़ा गया था। इसका उद्देश्य एक राष्ट्र की प्रगति को मापने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है,

और समान रूप से प्रगति को मापने के लिए गैर-आर्थिक पहलुओं पर जोर देता है।

देश में ट्रैफिक लाइट नहीं

हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा है, भुटान में कोई ट्रैफिक लाइट नहीं है और सारा ट्रैफिक मैनजमेंट मानवयुक्त है। जबकि भारत के छोटे शहरों में अभी भी ऐसा ही है, भुटान शायद एकमात्र ऐसा देश है जो ट्रैफिक लाइट से मुक्त है।

लोकतंत्र हेतु पद छोड़ने वाले राजा

भुटान के तत्कालीन राजा जिग्मे वांगचुक ने 2005 में अपने सिंहासन से उतरते समय एक नए संविधान पर काम करने की घोषणा की। जब उन्होंने अपने बेटे जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक को अपना

सिंहासन सौंप दिया, तो उन्होंने देश को संसदीय लोकतंत्र बनने के मार्ग पर स्थापित कर दिया। इतिहास में शायद ये पहली बार था कि किसी राजा ने स्वेच्छा से अपने राज्य को ज्यादा कंट्रोल और खुले तरीके से आगे बढ़ने देने के लिए अपनी शक्ति को कम कर दिया।

जादू और दंतकथाओं का देश

जबकि भुटान कई दंतकथाओं और विद्याओं वाला देश है, पारो तकत्संग के आस-पास की कहानी शायद सबसे दिलचस्प है। माना जाता है कि क्लिफसाइड मठ वो जगह है जहां पद्मसंभव एक बाधिन की पीठ पर उड़ते हुए उतरा था। कुछ लीजेंड्स का ये भी मानना है कि बाधिन गुरु की शिष्या थी, और उसे तिब्बत से ले गई।

तनाव और अनिद्रा से बचाने में मदद कर सकते हैं ये फूड्स

अनहेल्दी खाना, स्क्रीन पर अधिक समय बिताना और तनाव आदि के कारण अक्सर लोग अनिद्रा का शिकार हो जाते हैं। अच्छी नींद के लिए आप कुछ फूड्स भी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

• जालंधर ब्रीज.हेल्थ रिपोर्टर

हेल्दी खाना जितना जरूरी है, रात को अच्छी नींद लेना भी उतना ही जरूरी है। अच्छी मात्रा में नींद मांसपेशियों को आराम देने में मदद करती है। अच्छी नींद मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी होती है। तनाव मुक्त रहने के लिए एक अच्छी नींद बहुत जरूरी है। कुछ लोग अक्सर अनिद्रा का शिकार हो जाते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं जैसे अनहेल्दी खाना, स्क्रीन पर अधिक समय बिताना और तनाव आदि। ये सभी नींद को हानि को बढ़ाते हैं। अच्छी नींद के लिए आप कुछ फूड्स भी डाइट में शामिल कर सकते हैं। ये अनिद्रा को रोकने में मदद कर सकते हैं। आइए जानें कौन से हैं ये फूड्स।

फूड्स जो अनिद्रा को रोकने में मदद कर सकते हैं

गर्म दूध : सोने से पहले गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफेन होता है जिसमें मेलाटोनिन और सेरोटोनिन होता है। दोनों में न्यूरोट्रांसमीटर होते हैं जो चैन से सोने में मदद करते हैं। सेरोटोनिन की उपस्थिति मस्तिष्क को शांत करने में मदद करती है जो बदले में आपके मूड को स्थिर करने में मदद करती है। ये सब एक अच्छी नींद लाने में मदद करते हैं।

कैमोमाइल टी : कैमोमाइल टी में हीलिंग गुण होते हैं। ये बेहतर नींद में मदद करते हैं। इसके साथ ही कैमोमाइल टी का सोने के पेटन पर सकारात्मक



प्रभाव पड़ता है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट तत्व एपिजेनिन होता है। ये सभी चिंता से छुटकारा पाने और आरामदायक नींद प्रदान करने में मदद करते हैं।

केला : केले में प्राकृतिक कार्ब सामग्री होती है जो स्वाभाविक रूप से नींद लाने में मदद करती है। केले में एंजाइम होते हैं जो प्रोबायोटिक्स को बढ़ाने में मदद करते हैं। प्रोबायोटिक्स खाने से शांति से सोने और तनाव को दूर रखने में मदद मिलती है।

चेरी : चेरी में मेलाटोनिन की उपस्थिति होती है,

एक हार्मोन जो रात में पीनियल ग्रंथि द्वारा जारी किया जाता है। ये आपको अच्छी नींद दिलाने में मदद करता है। इसके साथ ही चेरी मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है।

शहद : अच्छी नींद के लिए लेट नाइट डाइट में शहद को शामिल किया जा सकता है। शहद नेचुरल शुगर की मौजूदगी से इंसुलिन के स्तर को बढ़ाता है। ये ट्रिप्टोफेन और सेरोटोनिन को मस्तिष्क में जाने में भी मदद करता है जो रसायनों को छोड़ता है और शरीर को आराम देता है।

दस हजार कदम चलने से क्या होता है ?

आपने अक्सर लोगों को देखा होगा कि अपनी कलाई में फिटबिट बांधे वो रोज दस हजार कदम पूरे होने का इंतजार करते हैं। लगातार कलाई में बंधी डिजिटल मशीन को चेक करते रहते हैं कि अब कितने कदम पूरे हो गए। 10,000 कदम का लक्ष्य पूरा होते ही मानो ऐसा लगता है कि कोई मेडल हाथ लग गया हो। क्या रोज दस हजार कदम चलना सचमुच फायदेमंद है? आखिर क्या होता है, जब हम रोज दस हजार कदम पैदल चलते हैं? कैलरी बर्न करना आधुनिक जीवन शैली के लक्ष्यों में से एक है। लेकिन क्या सिर्फ कैलरी बर्न होना ही एकमात्र ऐसा फायदा है, जिसके लिए हमें रोज दस हजार कदम पैदल चलना चाहिए। या इसके और भी फायदे हैं।

2500-3000 कैलरी बर्न : रोज दस हजार कदम पैदल चलने का सबसे बड़ा फायदा तो ये होता है कि आप प्रतिदिन ढाई से तीन हजार कैलरी बर्न करते हैं। यानी आप जो कुछ भी खा रहे हैं, वो ऊर्जा में परिवर्तित हो रहा है और वो ऊर्जा काम में लग रही है। क्या आपको पता है कि हमारे भोजन का जो हिस्सा ऊर्जा में परिवर्तित नहीं होता, वही फैट बनकर शरीर के भीतर जमा होने लगता है। इसका मोटा या पतले होने से कोई लेना-देना नहीं है। ये बस एक सीधा सा हिस्सा है कि जितना शरीर को दिया, उतना खर्च किया। यानि अतिरिक्त फैट को बॉडी में जमा नहीं होने दिया।

लिवर को पसंद है 10,000 स्टेप्स : किसी से कहें कि जब आप लंबा पैदल चलते हैं, शारीरिक श्रम करते हैं, व्यायाम करते हैं तो

लिवर को बहुत खुशी मिलती है तो सुनने में थोड़ा अजीब लगता है। लिवर का हमारे वॉक करने या न करने से भला क्या लेना-देना। लेकिन ये मजाक नहीं है। लिवर का काम है बाइल बनाना, बाइल जो फैट को पचाने में मददगार होता है। एक सुस्त और आरामतलब शरीर में लिवर भी सुस्त और आरामतलब हो जाता है। वो अपने काम के प्रति भी लापरवाही बरतने लगता है।

कहने का आशय ये है कि बाइल कम बनाता है, खाने को ढंग से पचाना नहीं है, फैट को बर्न नहीं करता और वही सबकुछ मोटापा बनकर शरीर में जमा होने लगता है। इसलिए जब हम पैदल चलते हैं तो सिर्फ हमारे पैर पैदल नहीं चल रहे होते। सिर्फ हमारा शरीर और मन

ही दस हजार कदम की दूरी नहीं तय कर रहा होता। हमारा लिवर भी चलता है। अच्छे से काम करता है, बाइल बनाता है, खाने को पचाना है, फैट को जमा होने से रोकता है। कुल मिलाकर ये कि लिवर खुश रहता है।

पैंक्रियाज की खुशी के तो कहने ही क्या : पैंक्रियाज का काम पता है न आपको। हमारे शरीर के बाएँ हिस्से में ऊपर की ओर और आंतों के पीछे एक छोटा सा ऑर्गन पैंक्रियाज, जो इंसुलिन नाम का एक हार्मोन बनाता है। दस हजार कदम पैदल चलने का पैंक्रियाज के लिए क्या मतलब है, ये किसी डायबिटीज के रोगी से पूछिए। जिस शाम खाना खाने के बाद वो वॉक करता है, अगले दिन ब्लड में शुगर का स्तर कम होता है और जिस दिन वॉक नहीं करता, उस दिन ब्लड में शुगर का स्तर बढ़ जाता है।



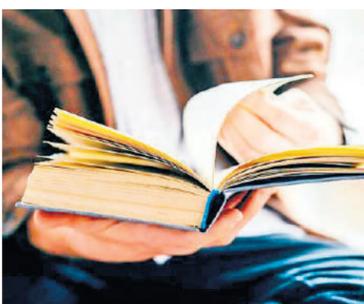
सेहत के बारे में पढ़ते हुए सतर्कता जरूरी, गलत ज्ञान ज्यादा खतरनाक

• जालंधर ब्रीज. रिपोर्टर

अपने जीवन का अधिकांश समय इंटरनेट पर बिताने वाले लोग जीवन के हर सवाल, हर जिज्ञासा का जवाब इंटरनेट पर ढूँढते हैं। लेकिन जरूरी नहीं कि इंटरनेट पर मौजूद हर जानकारी ऑथेंटिक ही हो यानि कि वह सही और तथ्यात्मक ही हो। खासतौर पर जब हम अपने स्वास्थ्य से जुड़े किसी विषय पर कुछ खोज रहे हों तो इस बात का विशेष तौर पर ख्याल रखना चाहिए कि आप जिन तथ्यों और जानकारियों को सच मानकर भरोसा कर रहे हैं, वह सही हैं भी या नहीं।

अंतर्विरोधी तथ्य और रिसर्च

इंटरनेट नाम की इस भूलभुलैया की खासियत ये है कि यहां आपको इस चीज के पक्ष और विपक्ष में, तारीफ और बुराई में, फायदे और नुकसान में ढेरों तथ्य मिल जाएंगे। एक रिसर्च ये कह रही होगी कि ज्यादा कॉफी पीना नुकसानदायक हो सकता है तो दूसरी रिसर्च बता रही होगी कि कॉफी पीने के कितने सारे फायदे हैं। एक रिसर्च वाइन के नुकसान गिना रही होगी तो वहीं दूसरी रिसर्च वाइन के फायदे बता रही होगी। एक रिसर्च में लिखा होगा कि एपल साइडर वेनेगर वजन घटाने में मददगार होता है तो दूसरी रिसर्च कह रही होगी कि एपल साइडर वेनेगर से कतई वजन कम नहीं होता। एक रिसर्च कहेगी कि जीरा उबालकर पानी पियो तो दूसरी रिसर्च उस पानी को पीने के खतरे से आगाह कर रही होगी।



कुल मिलाकर सवाल ये है कि

- आखिर हम किस तथ्य पर भरोसा करें।
- किस जानकारी को सच मानें और किस जानकारी को झूठा।
- हम स्वास्थ्य से संबंधित जानकारियां देने वाले ऑथेंटिक यानि की विश्वसनीय स्रोतों की शिनाख्त कैसे करें।
- हम कैसे पता लगाएं कि जो बात कही गई है, उसका आधार क्या है और वह आधार कितना वैज्ञानिक है।
- इन सारे सवालों को ध्यान में रखते हुए अगर आप कुछ जरूरी बातों पर गौर करें तो गलत तथ्यों और भ्रामक जानकारियों से बच सकते हैं।

सेहत के बारे में सही जानकारी के लिए यहां जाएं

सबसे पहले तो यह सुनिश्चित करें कि आप जिस वेबसाइट पर हेल्थ से संबंधित आर्टिकल पढ़ रहे हैं, वो वेबसाइट कितनी भरोसेमंद है। तथ्यात्मक और सही जानकारियों के लिए आप इन वेबसाइट पर पूरी तरह भरोसा कर सकते हैं-

- लैंसेट हेल्थ जरनल
- हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग
- कैंब्रिज हेल्थकेयर रिसर्च
- टाइम हेल्थ
- वेबएमडी
- मायोक्लिनिक
- मेडिकल न्यूज टुडे
- एवरीडे हेल्थ

भारत सरकार का हेल्थ पोर्टल

इसके अलावा भारत सरकार की वेबसाइट NHP (नेशनल हेल्थ पोर्टल ऑफ इंडिया) भी सेहत से संबंधित विषय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एक भरोसेमंद स्रोत हैं। हालांकि यह इतना कंप्रेहेन्सिव नहीं है कि वहां आपको हर बीमारी से जुड़ी हर तरह की जानकारी मिल जाए, लेकिन वहां जो भी जानकारियां हैं, उन पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है।

क्यों जरूरी है विश्वसनीयता



सेहत के बारे में पढ़ते हुए यह विश्वसनीयता बहुत जरूरी है क्योंकि गलत जानकारी के भ्रमनक नुकसान भी हो सकते हैं। यह एक संवेदनशील विषय है। इस बात से इतना नुकसान नहीं है कि

आपको सही तथ्य पता नहीं हैं। लेकिन अगर आपको गलत तथ्य पता हैं और आप गलत सुझावों पर अमल कर रहे हैं तो यह बात ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है।

अब गलत खाते में ट्रांसफर नहीं होगा पैसा, अकाउंट को पहले ही वेरिफाई कर देगा बैंक

इस सर्विस के लिए आपका मोबाइल नंबर बैंक खाते के साथ रजिस्टर्ड या अपडेट होना जरूरी है। बैंक समय-समय पर जो अलर्ट भेजता है, उसे पाने का एकमात्र साधन मोबाइल नंबर का रजिस्टर होना या अपडेट होना है।



जिस खाते में पैसे ट्रांसफर करने हों, अगर गलती से किसी दूसरे खाते में चला जाए तो इससे बुरी बात क्या हो सकती है। ऐसा अक्सर होता है और पैसा वापस पाने के लिए एड़ी-चोटी एक करना पड़ता है। अगर पैसा पाने वाला रकम लौटा दे तो ठीक, नहीं तो उसे वापस कराने का कोई ठोस नियम नहीं है। गलत खाते में पैसे ट्रांसफर न हों, इसके लिए हम क्या-क्या जतन करते हैं। खाते में 1 रुपये डालकर ऑनलाइन ट्रांसफर करते हैं। फिर रिसीवर से पूछते हैं कि पैसे मिले या नहीं। जब पूरी तसल्ली हो जाए तो मोटी रकम ट्रांसफर करते हैं। ऐसा अधिकांश लोग करते हैं ताकि सुरक्षित मनी ट्रांसफर हो सके। इससे बचने के लिए आईसीआईसीआई बैंक एक खास तरह की सुविधा देता है। इस सर्विस का नाम है आई-सेफ।

आई-सेफ अपने ग्राहकों को यह सुविधा देता है कि वे ज्योहिं खाताधारक के नाम के साथ गलत खाता नंबर और आईएफएससी कोड डालेंगे, बैंक उसे जांच कर बता देगा कि खाता ऑथेंटिकेट नहीं है। इसके बाद आप मनी ट्रांसफर को रोक सकते हैं और नाम, खाता संख्या और आईएफएससी कोड का मिलान कर दोबारा ट्रांजेक्शन प्रोसेस को शुरू कर सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात है कि यह सर्विस एक्टिव है, यानी कि खाताधारक को पैसे चुकाकर लेनी होती है। सर्विस लेने के लिए ग्राहक को टर्म एंड कंडीशन को मानना होता है। यह सर्विस ऑप्शनल है जिसके लिए आपको 99 रुपये चुकाने पड़ सकते हैं। यहां आई मोबाइल ऐप की सुविधा के बारे में जानकारी दी जा रही है।

स्टेप बाई स्टेप प्रोसेस

इसके लिए आपको आई-मोबाइल ऐप के 'सेंड मनी' सेक्शन में जाना होगा। जिसे फंड ट्रांसफर करना है, अगर पहली बार कर रहे हैं तो उसे अपने खाते में जोड़ना होगा। इसके लिए आप 'एड पेयी' में जाएंगे। यहां सबसे पहले खाताधारक का अकाउंट नंबर डालना होगा। उसके बाद आईएफएससी कोड दर्ज करना होगा। जिस शहर में खाता है, उसका नाम लिखना होगा। नीचे i-safe का बॉक्स खुलेगा जिसमें आपसे वेरिफाई करने के बारे में पूछा जाएगा। फंड ट्रांसफर करने से पहले वेरिफाई बटन पर दबाते ही खाताधारक का नाम लिखा आ जाएगा। आप इससे कंफर्म हो जाएंगे कि जिसे पैसा भेजना है, उसी का खाता नंबर आपने दर्ज किया है। अगर इसमें किसी तरह की विसंगति या गड़बड़ी दिखती है, तो फंड ट्रांसफर को कैंसिल कर सकते हैं। इससे आप बड़ी गलती करने से बच जाएंगे।

कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग अकाउंट पर सुविधा

ग्राहकों को यह सुविधा कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग अकाउंट पर दी जा रही है। आपके कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग एक्सेस पैटर्न में अगर कोई संदिग्ध गतिविधि होती है जैसे कि फ्रॉड आदि तो आई-सेफ प्रोपर ऑथेंटिकेशन के साथ अलर्ट भेजेगा। इससे ग्राहक को बैंकिंग में अतिरिक्त सुरक्षा की गारंटी मिलती है। आप बेफिक्र होकर इंटरनेट बैंकिंग या मोबाइल बैंकिंग सुविधा का इस्तेमाल कर सकेंगे।

सर्विस के लिए क्या करना होगा

इस सर्विस के लिए आपका मोबाइल नंबर बैंक खाते के साथ रजिस्टर्ड या अपडेट होना जरूरी है। बैंक समय-समय पर जो अलर्ट भेजता है, उसे पाने का एकमात्र साधन मोबाइल नंबर का रजिस्टर होना या अपडेट होना है। अगर ग्राहक का सही मोबाइल नंबर आईसीआईसीआई बैंक में रजिस्टर नहीं है तो वह इंटरनेट बैंकिंग अकाउंट से जुड़ी सुविधाओं का लाभ नहीं ले सकेंगे। बैंक यह खाता कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग से जुड़ा होता है, इसलिए मोबाइल नंबर को अपडेट कराने के लिए कंपनी के लेंटर हेड पर कुछ जरूरी जानकारी देनी होती है। इसमें कॉरपोरेट आईडी, यूजर आईडी, मोबाइल नंबर, अकाउंट नंबर, यूजर का हस्ताक्षर आदि। इस लेंटर को अपने नजदीकी आईसीआईसीआई ब्रांच में जमा कराना होगा।

राफेल सौदा फ्रांस की मीडिया रिपोर्ट में दावा

भारत के साथ राफेल सौदे के संबंध में फ्रांसीसी खोजी पत्रिका 'मीडियापार्ट' ने गोपनीय रूप से घूस दिए जाने का नया दावा किया है। पत्रिका ने दावा किया है कि फ्रांसीसी विमान निर्माता कंपनी दसॉल्ट एविएशन ने भारत से यह सौदा हासिल करने में मदद के लिए एक बिचौलिये को गोपनीय रूप से करीब 7.5 मिलियन यूरो (65 करोड़ रुपये) का भुगतान किया। और दसॉल्ट कंपनी को इस घूस की राशि देने में सक्षम बनाने के लिए कथित रूप से फर्जी बिलों का इस्तेमाल किया गया।

मीडियापार्ट की पड़ताल के अनुसार, दसॉल्ट एविएशन ने 2007 और 2012 के बीच मॉरीशस में बिचौलिये को रिश्वत का भुगतान किया।

पत्रिका ने जुलाई में खबर दी थी कि 36 राफेल लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए भारत के साथ 59,000 करोड़ रुपये के अंतर-सरकारी सौदे में संदिग्ध भ्रष्टाचार और पक्षपात की 'अत्यधिक संवेदनशील' न्यायिक जांच का नेतृत्व करने के लिए एक फ्रांसीसी न्यायाधीश को नियुक्त किया गया है। रक्षा मंत्रालय या दसॉल्ट एविएशन की ओर से इस ताजा रिपोर्ट पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पत्रिका ने अपनी रिपोर्ट में क्या कहा?

पत्रिका ने अपनी नयी रिपोर्ट में रविवार को कहा, 'मीडियापार्ट आज कथित फर्जी बिल प्रकाशित कर रही है, जिससे फ्रांसीसी विमान निर्माता दसॉल्ट एविएशन भारत को 36 राफेल लड़ाकू विमानों की बिक्री को अंतिम रूप देने में मदद करने के लिए एक बिचौलिये को कम से कम 75 लाख यूरो के गुप्त कमीशन का भुगतान करने में सक्षम हो सकी।' पत्रिका ने आरोप लगाया कि 'ऐसे दस्तावेजों' के होने के बावजूद भारतीय जांच एजेंसियों ने मामले में आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया। रिपोर्ट में दावा किया गया है, 'इसमें अपतटीय कंपनियों, संदिग्ध अनुबंध और 'फर्जी' बिल शामिल हैं। मीडियापार्ट यह खुलासा कर सकती है कि भारत के संघीय पुलिस बल केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के पास अक्टूबर 2018 से इस बात के सबूत थे कि फ्रांसीसी विमानन कंपनी दसॉल्ट ने बिचौलिये सुशेन गुप्ता को गुप्त कमीशन में कम से कम 75 लाख यूरो (करीब 65 करोड़ रुपये) का भुगतान किया था...'

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह 2016 में 7.8 अरब यूरो के सौदे को हासिल करने के लिए फ्रांसीसी कंपनी के लंबे और अंततः सफल प्रयास से

नोटबंदी को हुए 5 साल: जानिए आपके 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों का क्या हुआ?

नोटबंदी को आज पांच साल हो गए हैं। ऐसे में आज जानते हैं जनता से जो करीब 14 लाख करोड़ रुपये के 500 और 1000 के नोट जमा किए गए थे, उनका आखिर क्या हुआ।

पांच साल पहले 8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर कर देने का फैसला किया था। नोटबंदी होने के बाद सभी लोगों ने अपने 500 और 1000 रुपये के नोटों की जगह नए नोट लिए। अब 500 और 1000 की जगह नए तरह का 500 और 2000 का नोट चलन में है। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि आपके जो 500 और 1000 रुपये के नोट थे, उनका आखिर हुआ क्या?

दरअसल, आरबीआई ने लोगों से 15.28 लाख करोड़ रुपये के 500 और 1000 के नोट जमा किए थे और उसके बदले नए नोट जारी किए थे। तो ऐसे में यह जानना दिलचस्प है कि आखिर 15 लाख करोड़ से भी ज्यादा के अमाउंट का आखिर क्या हुआ और अभी वो नोट कहाँ हैं?

आरबीआई के नियमों के अनुसार, इन नोटों की वेरिफिकेशन एंड प्रोसेसिंग सिस्टम के बाद उनका ब्रिकेट सिस्टम के जरिए ब्रिक्स तैयार किया जाएगा। आरबीआई के मुताबिक पुराने नोटों को Currency Verification Processing System (CVPS) तरीके से विघटन किया जाता है। पहले चरण में यह देखा जाता है कि करंसी नष्ट करने के लायक हैं या नहीं। फिर दूसरे चरण में थ्रेंडिंग ब्रिकेट सिस्टम के जरिए नोटों को मशीन की मदद से महीन कतरनों में बदला जाता है। इन कतरनों को फिर से कम्प्रेस कर ब्रिक्स की शेष दी जाती है।

माना जाता है कि फिर इन ब्रिक्स के जरिए कार्डबोर्ड जैसे कई आइटम बनाए जाते हैं। ऐसे ही 500 और 1000 के नोटों का विघटन किया गया है। जैसे- अहमदाबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (NID) के छात्रों ने अपनी क्रिएटिविटी से 500 और 1000 ₹ के नोटों के कबाड़ से घर में इस्तेमाल होने वाली कई चीजें बनाई हैं। दरअसल, आरबीआई ने



अहमदाबाद के एनआईडी से मदद मांगी थी और उसके बाद बच्चों ने नोट के इन टुकड़ों से तकिया, टेबल लैंप जैसी चीजें बनाई थीं। बताया जाता है कि पुराने नोटों की खास बात ये है कि ये ना तो पानी में गलते हैं और

ना ही इनके कलर छोड़ने की कोई दिक्कत है, ऐसे में इससे कई तरह की चीजें आसानी से बनाई जा रही हैं। हालांकि, आरबीआई इन नोटों का रीसाइकिल करने का काम नहीं करता है, बैंक इनका निस्तारण करता है।

जिन लोगों को हुआ है कोरोना, क्या उन्हें भी आंख में है ये दिक्कत?



कोरोना वायरस का संकट अभी भी बरकरार है और जिन लोगों को कोरोना हो चुका है, वो पोस्ट कोविड समस्याओं का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि लोगों को कोरोना के बाद आंखों में दिक्कत हो रही है। जी हां, कोरोना के चलते कई लोगों को आंखों में भी दिक्कत हुई है और डॉक्टरों का मानना है कि आंख के जरिए भी कोरोना फैल रहा है। ऐसे में कोरोना के इस काल में आंख का भी खास ख्याल रखना जरूरी है। ऐसे में जानते हैं क्या कोरोना और आंख का क्या कनेक्शन है। साथ ही आपको बताएंगे कि आप किस तरह से यह पता कर सकते हैं कि कोरोना से आपकी आंखों में कोई दिक्कत तो नहीं हुई है...

आंखों के जरिए भी कोरोना फैल सकता है?

कोरोना और आंख के संबंध को लेकर एम्स के डॉक्टर जेएस तितयाल का कहना है, 'आंखों के द्वारा भी कोविड की बीमारी फैल सकती है। अगर कोई व्यक्ति कोरोना से ग्रहित है और उसकी आंखों से सिक्रेशन होता है, जिसे हम टियर या आंसू कहते हैं, उनमें भी कोविड वायरस पाया जाता है। किसी आदमी को अगर कोविड की बीमारी हुई है तो उसे खांसी, जुकाम या फेफड़ों में दिक्कत हो रही हो, साथ में दोनों आंखों में लालीपन आ जाए या फिर आंखों में सूजन हो तो ऐसे में पता चलता है कि आंखों में बीमारी चल रही है।'

डॉक्टर तितयाल के हवाले से एआईआर की ओर से बताया गया है, 'ऐसे में आंखों में सिक्रेशन रोगी के हाथ में लग सकती है और उसके द्वारा दूसरों को भी इन्फेक्ट कर सकती है। इसलिए हम हमेशा कहते हैं कि अपना हाथों को हमेशा धोकर रखिए और किसी से हाथ ना मिलाएं। आंखों को इस बीमारी से बचाए रखने के लिए चश्मा भी लगाएं।'

कोरोना के बाद आंख पर पड़ता है असर?

साथ ही डॉक्टर तितयाल का कहना है, 'कुछ ऐसी बीमारियां होती हैं, जो मरीज को पहले से ही होती हैं। जैसे डायबिटीज के रोगियों को आंखों के परदे में समस्या होती है।

ऐसे में अगर उसे कोरोना हुआ है तो वह अस्पताल में भर्ती होती है तो उसे स्टैरॉयड या ऑक्सिजन मिला तो ऐसे में डायबिटीज का असर पूरी आंख को खराब कर सकता है। जिन लोगों को कोई बीमारी नहीं थी और कोरोना के समय में उनको आंखों में प्रॉब्लम आ गई, जैसे आंखों में लाली आना या चश्मे का नंबर चेंज हो जाना या डायबिटीज के कारण आंख के परदे पर असर पड़ना, ऐसे लोगों की बीमारी अगर जल्द पकड़ में आ जाए तो उनकी बीमारी ठीक की जा सकती है।'

क्या कोरोना के बाद आंखों पर पड़ सकता है असर?

डॉक्टर तितयाल का कहना है कि ऐसा संभव है। उन्होंने कहा, 'कोरोना के बाद आंखों का रोग जरूर हो सकता है, क्योंकि कोविड का जो असर है, इसमें डायरेक्टली आंखों में इन्फेक्शन भी करना शामिल है।

कोविड बीमारी के कारण बाकी शरीर में असर पड़ता है तो उसका असर आंख पर भी होता है। इसका ज्यादा असर आंख के परदे पर होता है, जिसे रेटिना बोलते हैं। इससे आंखों में ब्लीडिंग हो सकती है, आंखों में सूजन आ सकती है, आंखों की लेंयर में पानी भर सकता है। कभी-कभी जो नर्व होती है, जिससे दिमाग में रोशनी जाती है, जिसे हम ऑप्टिक नर्व कहते हैं, उसमें भी सूजन आ सकती है और नर्व खराब भी सकती है।

अमेरिका में चीनी जासूस पाया गया दोषी, 60 साल की हो सकती है जेल



चीन के एक जासूस को कई अमेरिकी एविएशन और एयरोस्पेस कंपनियों के ट्रेड सीक्रेट चुराने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने इसकी जानकारी दी है। ये जासूस चीनी राज्य सुरक्षा मंत्रालय के लिए काम करता है। मुकदमे के लिए अमेरिका में प्रत्यर्पित किए गए पहले चीनी जासूस यानजुन जू को आर्थिक जासूसी करने के प्रयास और साजिश का दोषी ठहराया गया है। इसके अलावा, जू को ट्रेड सीक्रेट की चोरी करने और ट्रेड सीक्रेट को चुराने के प्रयास के लिए दोषी पाया गया है।

एक प्रेस रिलीज के मुताबिक, इस फैसले का मतलब ये है कि यानजुन को सभी उल्लंघनों के लिए कुल मिलाकर 60 साल जेल की कैद में बिताने पड़ सकते हैं। इसके अलावा, उसे पांच मिलियन डॉलर का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। उसे संघीय जिला अदालत के जज द्वारा सजा सुनाई जाएगी। एफबीआई के सहायक निदेशक एलन कोहलर जूनियर ने एक बयान में कहा, ब्यूरो दर्जनों अमेरिकी एजेंसियों के साथ काम कर रहा है, ताकि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा चलाए जाने वाले जासूसी अभियानों का मुकाबला करने के लिए सूचना और संसाधनों को साझा किया जा सके।

चीन को लाभ पहुंचाने के लिए चुरा रहा था अमेरिकी तकनीक : कोहलर ने कहा, जिन लोगों को चीन के वास्तविक गोल्स पर संदेह

है, उनके लिए ये फैसला जगाने वाला है। चीन अपनी अर्थव्यवस्था और सेना को लाभ पहुंचाने के लिए अमेरिकी तकनीक की चोरी कर रहा है। 2013 की बात करें तो, यानजुन पर चीन की ओर से आर्थिक जासूसी करने और ट्रेड सीक्रेट चुराने के लिए कई उपनामों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था। रिलीज में बताया गया है कि चीनी जासूस के निशाने पर कई सारी अमेरिकी एविएशन और एयरोस्पेस कंपनियां थीं। इसमें जोई एविएशन भी शामिल थी, जो जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी की एक यूनिट है।

चीन ने अभी तक फैसले को लेकर नहीं की कोई टिप्पणी : चीनी जासूस यानजुन जू को सबसे पहले 2018 में बेल्टियम में गिरफ्तार किया गया था। चीन की तरफ से सुनाए गए फैसले को लेकर अभी तक कोई भी टिप्पणी नहीं की गई है। बीजिंग ने पहले इस तरह के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि इस तरह के आरोपों का कोई आधार नहीं है।

अमेरिकी न्याय विभाग के एक बयान के अनुसार, जू चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय की जिआंगसु शाखा के एक वरिष्ठ सदस्य है। ये एक एजेंसी जो काउंटर-इंटेलिजेंस, विदेशी खुफिया और आंतरिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, सीआईए ने चीन को अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है।

दसॉल्ट एविएशन ने बिचौलिये को दी 65 करोड़ रुपए की कमीशन



संबंधित था ताकि उसके 36 राफेल लड़ाकू विमान भारत को बेचे जा सकें।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने कांग्रेस पर

संप्रग शासन के दौरान रिश्वत का भुगतान किया गया था।

मालवीय ने ट्वीट किया, "दसॉल्ट ने 2004-2013 के दौरान बिचौलिये सुशेन गुप्ता को राफेल बेचने के लिए 1.46 करोड़ यूरो का भुगतान किया।

संप्रग रिश्वत ले रहा था, लेकिन सौदे को अंतिम रूप नहीं दे सका। राजग ने बाद में इसे रद्द कर दिया और फ्रांस सरकार के साथ करार किया, जिससे राहुल गांधी परेशान हो गए।'

राजग सरकार ने 23 सितंबर, 2016 को भारतीय वायु सेना के लिए 36 राफेल जेट विमान खरीदने का सौदा किया था।

राफेल सौदे को लेकर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस सरकार पर हमलावर रही है। उसने सरकार पर सौदे में भारी अनियमितता का आरोप लगाते हुए कहा था कि सरकार प्रत्येक विमान को 1,670 करोड़ रुपये से अधिक कीमत पर खरीद रही है, जबकि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने इसे 526 करोड़ रुपये में अंतिम रूप दिया था।

साल 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने इस सौदे को लेकर कई सवाल उठाए थे, लेकिन सरकार ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। फेल निर्माता दसॉल्ट एविएशन और भारत के रक्षा मंत्रालय ने इससे पहले करार में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज किया था। उच्चतम न्यायालय ने 2019 में इस सौदे की जांच के अनुरोध वाली याचिकाओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इसके लिए कोई आधार नहीं है।

